B.A.- II (CBCS Pattern) Semester-IV

BA12B-4 - Pali & Prakrit Literature

P. Pages : 5 **GUG/S/25/12068**

Time : Three Hours Max. Marks : 80

सुचना : 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहे.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।

2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद किजिए।

अथ खो भगवा उरुवेलायं यथा भिरन्तं विहरित्वा येन गयासीसं तेन चारिकं पक्कामि महता भिक्खुसङ्घेन सध्दिं भिक्खुसहस्सेन सब्बेहेव पुराणजटिले हि। तत्र सुदं भगवा गयाथं विहरति गयासीसे सध्दिं भिक्युसहस्सेन। तथ खो भगवा भिक्खु आमन्तेसि- 'सब्ब, भिक्खवे, आदित्तं। किंच, भिक्खवे, सब्ब आदित्तं? चक्खुं आदित्तं, रुपा आदिन्नो, चक्खु-विञ्ञाण आदित्तं, चक्खुसम्फस्सी आदित्ती, यदिदं चक्खुसम्फस्सपच्चया उप्पज्जति वेदयिंत सुखं वा दुक्खं वा अदुक्खमसुखं वा तं पि आदित्तं। केन आदित्तं? रागग्गिना दोसग्गिना मोहग्गिना आदित्तं, जातिया जराय मरणेन सोकेहि परिदेवेहि दुक्खेहि दोमनस्सिहि उपायसिहि आदित्तं ति वदामि।

किंवा / अथवा

तेन खो पन समयेन सञ्ञयो परिब्बाजको राजगहे परिवसति महतिया परिब्बाजक परिसाय सध्दिं अड्ढतेय्येहि परिब्बाजकसतेहि। तेन खो पन समयेन सारिपुत्तमाग्गल्लाना सञ्ञये परिब्बाजके ब्रम्हचरियं चरन्ति। तेहि कतिका कता होति – यो पठम अमतं अधिगच्छति, सो इतरस्स आरोचेतू ति। अथ खो आयस्मा अस्सजि पुब्बव्हसमयं निवासेत्वा पत्तचिवरमादाय राजगहं पिण्डाय पाविसि पासादिकेन अभिक्कन्तेन पटिक्कन्तेन आलोकेतेन विलोकेतेन सम्मिज्जितेन पसांरितेन ओक्खित्तपक्खु दुरियापथसपन्नो। अद्दसा खोसारिपुत्तो परिब्बाजको आयस्मन्तं अस्सजिं राजगहे पिण्डाय चरन्तं पासादिकेन अभिक्कन्तेन पटिक्कन्तेन आलोकितेन विलोकितेन सम्मिज्जितेन पसारितेन ओक्खितचक्खु दुरिया पथसम्पन्नं।

ब) अजपालकथाचा सारांश लिहा. **6**
अजपाल कथा का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

पालि तिपिटक साहित्यात विनयपिटकाचे महत्व लिहा.
पालि तिपिटक साहित्य में विनयपिटक का महत्व बताईए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**

ससंदर्भ अनुवाद किजिए।

अथ खो भगवा सुजातं घरसुण्हं आमन्तेसि-'एहिसुजाते' ति। 'एवं, भन्ते' ति खो सुजाता घरसुण्हा भगवतो पटिसुत्वां येन भगवा तेनुपसङ्कमि: उपसङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नं खो सुजातं घरसुण्हं भगवा एतदवोच- 'सत्त खो इमा, सुजाते पुटिसस्स भरियायो। कतमा सत्त? वधकसमा, चोरीसमा, अय्थसमा, मातासमा, भगिनीसमा, सखीसमा, दासीसमा- इमा खो, सुजाने सत्त पुरिसस्स भरियायो- तासं त्वं कतमा' ति? न खो अहं, भन्ते, इमस्स भगवता सङ्खिखतेन भासितस्स वित्थारेन अत्थं अजानामि। साधु मे, भन्ते, भगवा तथा धम्मं देसेतु यथाहं इमस्स भगवता संङ्खित्तेन भासितस्स वित्थारेन अत्यं जानेय्यं' ति।

किंवा / अथवा

एवं मे सुत्तं। एकं समयं भगवा राजगहे विहरति जीवकस्स कोमारभच्चस्स अम्बवने। अथ खो जीवको कोमारभच्चो येन भगवा तेनुपसङ्कमि; उपसङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि एकमन्तं निसिन्नो खो जीवको कोमारभच्चो भगवन्ते एतदवोचं- 'सुत्तं मेत्तं, भन्ते, समणं गोतमं उद्दिस्स पाणं आरभन्ति, तं समणो गोतमो आणं उद्दिस्सकतं मंसं परिभुञ्जति पटिच्चकम्मं ति। येते, भन्ते, एवमाहंसु- 'समण गोतमं उद्दिस्स पाणं आरभन्ति, तं समणो गोतमो आणं उद्दिस्सकन मसं परिभुञ्जति पटिच्चकम्मं ति, कच्चि ते, भन्से भगवतो वुत्तवादिनो न च भगवन्तं अभूतेन अब्भाचिक्खिन्ति, धम्मस्स चानुधम्मं ब्याकरोन्ति, न च कोचि सहधम्मिको वादानुवादो गारय्हं ठान आगच्छती' सि।

ब) विसाखा सुत्ताचा सारांश लिहा. **6**

विसाखा सुत्तं का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

मज्झिमनिकाय ग्रंथाचे महत्व सांगा.

मज्झिमनिकाय ग्रंथ का महत्व बताईए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांत करा. **10**

ससंदर्भ अनुवाद किजिए।

1) यधा दण्डेन गोपालो गावो पाचेति गोचरं।
एवं जरा च मच्चु बच आय पाचेन्ति पाणिनं॥

2) अथं पापानि कम्मानि करं बालो न वुज्झति।
सेहि कम्मेहि दुम्मेधो अग्गिदड्ढो व तप्पति॥

3) थो दण्डेन अदण्डेसु अप्पदुट्ठेसु दुस्सति।
दसन्नमञ्ञतरं ठानं खिप्पमेवं निगच्छति॥

4) वेदना फरुसं जानिं सरीरस्स च भेदनं।
गरुकं वापि आवाघं चित्तक्खेपं व पापुणे॥

किंवा / अथवा

1) दुन्नग्गिहस्स लहुनो यत्थ काम निपातिनो।
चित्तस्स दमयो साधु चित्तं दन्तं सुखावहे॥

2) सुदुद्दसं सुनिपुणं यत्थ कामनिपातिनं।
चित्तं रक्खेय्य मेधावी, चित्तं गुतं सुखावहं॥

3) दुरङ्गम एकचरं असरीरं गुहसयं।
ये चित्तं सय्यमेस्सन्ति मोक्खन्ति मारबन्धना॥

4) अनवट्ठितिचित्तस्स सध्दम्मं अविजानतो।
पटिप्लवपसादस्स पञ्ञा न पटिपुरति॥

ब) तण्हावग्गाचा सारांश लिहा. **6**
तण्हावग्ग का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

यमक वग्गाचा सारांश लिहा.
यमक वग्ग का सार लिखिए।

4. अ) विभक्ती प्रत्यय लिहा **कोणतेही एक**. **4**
विभक्ती प्रत्यय लिखिए **कोई भी एक**।
सब्ब, युवा, सो, गो

ब) निमित्तार्थक अव्यय लिहा **कोणतेही दोन** **2**
निमित्तार्थक अव्यय लिखिए **कोई भी दो**।
कर, हस. चत्र, पठ

क) अव्यय ओळखा **कोणतेही दोन**. **2**
अव्यय पहचानिए **कोई भी दो**।
करित्वा, कारयति, पठितुं, सोतुं

ड) स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा. **4**
स्वीकृत माध्यम में अनुवाद किजिए।

1) दासी गेहं कम्म न करिस्सस्सि।

2) रुक्खेसु सकुणा वसन्ति।

3) भिक्खुसंघो अनुकम्प कत्वा धम्मं देसेन्ति।

4) अहं आचारियस्स गेहं गच्छामि।

इ) पालित भाषांतर करा. **4**

पालि में अनुवाद किजिए।

1) रात्री कवी पुस्तक वाचतो.
रात में कवी किताब पढ़ता है।

2) बाजारात फुले फळे दिसतात.
बाजार में फुलफल दिखते है।

3) मी कुशीनगरला जाणार
मैं कुशीनगर को जाऊंगा।

4) माझे नाव विनोद आहे.
मेरा नाम विनोद है।

5. अ) टिपणे लिहा. **6**

टिप्पणीयाँ लिखिए।

1) विनयपिटक 2) थेरीगाथा
3) विशाखा 4) जीवक वैद्य

ब) योग्य पर्याय लिहा. **10**

योग्य पर्याय लिखिए।

1) जीवकसुत्तं कशासाठी प्रसिध्दं आहे.
जीवकसुत्तं किसके लिए प्रसिध्द है।
अ) मांसाहार नियम ब) आहार नियम
क) निवास नियम ड) विहार नियम

2) महाप्रजापतिथेरीगाथा कुठे येते.
महाप्रजापतिथेरीगाथा कहाँ आती है।
अ) थेरीगाथा ब) थेरगाथा
क) सुत्तनिपात ड) धम्मपद

3) प्रमादकारी माणसाची मालुवालतेप्रमाणे काय वाढत जाते.
प्रमादकारी मनुष्य की मालुवालता जैसे क्या बढ़ता जाता है।
अ) क्रोध ब) विभव
क) तण्हा ड) भव

4) पालित 'सा' काय आहे.
पालि में 'सा' क्या है।
अ) नाम ब) विभक्ती
क) सर्वनाम ड) विशेषण

5) भिक्खूंच्या शिस्तीच्या नियमांना काय म्हणतात.
भिक्खूओं के शिस्त के नियमों को क्या कहते है।

अ) विनय ब) कायदा
क) संविधान ड) निति

6) विनयपिटकातील या भागात मारकथा येते
विनयपिटक के इस भाग में मारकथा आती है।

अ) महावग्ग ब) विभंग
क) चुल्लवग्ग ड) परिवार

7) तथागतांचा कशावर विश्वास होता.
तथागत का किसपर विश्वास था।

अ) तत्वज्ञान ब) शिकवण
क) लोकशाही ड) पलायन

8) आदित्य परियायो सुत्ताचा उपदेश इथे केला.
आदित्य परियायो सुत्त का उपदेश यहाँ किया।

अ) राजगृह ब) उरुवेला
क) जयासीस ड) मगध

9) सारिपुत्त आणि मोग्गल्लायन कोणाचे शिष्य होते.
सारिपुत्त और मोग्गल्लायन किसके शिष्य थे।

अ) संजय ब) काश्यप
क) आजीवक ड) अस्सजि

10) सुत्तपिटक किती निकायांचा संग्रह आहे.
सुत्तपिटक कितने निकायोंका संग्रह है।

अ) 07 ब) 06
क) 04 ड) 05

****